Seventeenth Loksabha

an>

Title: **Regarding lack of discussion on Indo-China issue in Parliament.**

श्री मनीष तिवारी (आनंदपुर साहिब): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। वर्ष 1950 से लेकर वर्ष 1967 तक जब-जब चीन के साथ तनाव बढ़ा इस सदन में भारत-चीन रिश्तों को लेकर हर बार बहुत व्यापक बहस हुई।

वर्ष 1962 में जब चीन का युद्ध चल रहा था तो इसी सदन में 8 नवम्बर, 1962 से 15 नवम्बर, 1962 तक बहुत व्यापक बहस हुई थी। 165 सदस्यों ने उस बहस में भाग लिया था।

सभापति महोदय, यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि सितम्बर, 2020 से लेकर आज तक यह संसद का छठा सत्र है और एक बार भी चीन के ऊपर और भारत-चीन रिश्तों के ऊपर तथा हमारे सरहद पर जो परिस्थिति है, उसके ऊपर एक बार भी चर्चा नहीं हुई। कोई सरकार के ऊपर दोषारोपण नहीं करना चाहता है। परिस्थितियां संवेदनशील है। ... (व्यवधान)